ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 04 सितम्बर 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 182

भाई साहब...आ गया है आयड़ नदी को 'खमतखामणा' कहने का वक्त

- सुशील जैन का विचारोत्तेजक लेख -



24 न्यूज अपडेट

कल जब से मानसूनी पानी ने करोड़ों की विकासलीला की बेड़ियों में जकड़ी आयड़ नदी को मुक्त करवाया है, पूरे शहर में एक ही चर्चा है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? आयड़ नदी के साथ विकास के नाम पर विनाश का यह खेल आखिर किसने, क्यों खेला। कौन जिम्मेदार। वो जिन्होंने नदी के बहाव क्षेत्र में टाइलें लगाईं और सब्ज बाग लगा कर करोड़ों डकार लिए या फिर वो जो चुपचाप यह सब होता देखते रहे। या वो जिम्मेदार हैं जिनका काम विरोध करना था मगर चुप्पी वाला रेनकोट ओढ़कर दुम दबाकर दूर कहीं किसी कोने में छिप गए। शहर की लाइफलाइन से हुआ यह खिलवाड़ लोगों को पसंद नहीं आ रहा है। जब अनचाहे विकास का जाल बिछाया जा रहा था तब से आम जन मानस में यह विचार कौंध रहा था कि पानी आएगा तो क्या होगा? आखिर इतना खर्च, इतनी आपाधापी, इतनी होचपोच क्यों? मानसून से पहले की व्यग्रता साफ बता रही थी कि पूरी दाल ही काली थी, दाल में काला नहीं,,,,उपर से आए बजट को जल समाधि देने का विचार था या फिर आंखों का पानी ही सूख गया था। सोचा था कि जनता इतनी मूर्ख है कि उसके अपने किसी मौलिक विचार का वजूद ही नहीं बचा है इस शहर में। उसे जिस चश्मे से दिखाया जाएगा वहीं देख लिया जाएगा। नदी के साथ ऐसे प्रयोग दुनिया में कहीं नहीं हुए। दुनिया में हीं ऐसी मिसाल नहीं मिलती कि नदी में कृत्रिम पत्थर लगा कर उनको बहने से रोकने के लिए जाली से बांधे जाने का उपक्रम होता हो। दीवारों को लोहे ही जालीनुमा जंजीरों में जकड़ लिया गया हो। जबकि नदी तो मां होती है। किसी भी शहर की जान होती है। उसका अपना इको सिस्टम होता है जिसके दामन में पशु-पक्षी भी पलते हैं तो जीव-जंतु भी पनाह पाते हैं। जो इनसान और जानवरों में फर्क नहीं करती। जो बरसों से अपना स्वरूप आप ही तय करती आई है। कालांतर में जिस-जिस ने नदी के रास्ते में बेईमानी और भ्रष्टाचार की लकीरें खीचने की कोशिश की, उसका खुद का ही अस्तित्व मिटता चला गया है। उदयपुर शहर को ही देख लीजिए, यहां की सभ्यताएं सात बार आयड़ नदी पर बसी और उजड़ गईं। उदयपुर में इंसानी वजूद की ऐतिहासिकता और उसके अस्तित्व को आयड़ नदी ने तय किया। जब नदी को लगा कि प्रकृति से दुराचार का पानी सिर के उपर से गुजर रहा है तो उसने अपने दामन का रौद्र विस्तार करते हुए सबको सबक सिखाते हुए खुद में समाहित कर लिया। क्या हम अपने पुरखों के सीखे इस सबक की अनदेखी तो नहीं कर रहे हैं?

नाला बन गई नदी के सूख नहीं रहे आंसू



24 न्यूज अपडेट

आयड़ नदी की मौजूदा हालत ऐसी कर दी गई है कि यह नदी से निकल कर नाले की श्रेणी में आ गई है। शहर के कुछ पावरफुल लोगों ने तय कर लिया कि नदी केवल उनकी बनाई एक लकीर में ही बहेगी, आस-पास हम अपना सब्जबाग बनाएंगे। जनता की गाढी कमाई का करोड़ों रूपया फूंक दिया गया। बिना यह सोच समझे कि नदी आएगी और सबको अपने साथ लेकर जाएगी। अहंकारी लोगों ने बार-बार आयड़ नदी का दौरा कर अपनी सोच को उस प्रशासनिक मशीनरी पर थोपा जो पहले से चरणवंदना में बिछी जा रही थी। एक कहानी बहुत मशहूर है-सब राजा की तारीफ करते हैं....कहते हैं वाह! क्या कपडे पहने हैं। लेकिन अंत में एक बालक राजा को आईना दिखाते हुए कहता है-राजाजी आप ने वस्त्र विहीन हैं। तब जाकर राजा को उसकी असलियत का पता चलता है। क्योंकि दरबारी हर बार पूछने पर वंदनगान गाते रहे कि वाह क्या वस्त्र पहन रखे हैं।

बनने लगे चुटकुले, लोग ले रहे मौज



24 न्यूज अपडेट

सोशल मीडिया पर आयड़ नदी के विकास के कामों पर कल से लोग जॉक बना रहे हैं। कोई कह रहा है कि उदयसागर चलो, करोड़ो ंका विकास बहकर वहां चला गया है। कोई कह रहा है कि मुझे जरूरत थी, घर पर टॉयलेट में ही टाइलें लगा देता, खामख्वाह पानी में बहा दी। कोई कह रहा है कि एक होटल वाला उदयसागर में गोताखोर लगा कर टाइलें इकट्ठी करवा रहा है। कोई अपनी प्रेमिका से कह रहा है कि मेरा प्यार आयड़ की टाइलों जैसा मजबूत है और घास जैसा नर्म-मुलायम.....। कुल मिलाकर साफ हो गया है कि भद बहुत बुरी पिटी है लेकिन क्या जिम्मेदार लोग उससे सीख लेंगे। क्या थोडी सी भी शर्म दिखाते हुए शहर से माफी मांगेंगे। क्या वे कहेंगे हां, हमसे चूक हो गई थी। या फिर अकड़ बरकरार रहेगी। वैसे जिनके पगफेरे आयड़ में हुए उनकी राजनीतिक ताकत भी आयड़ की इस विनाशलीला से आहत हुई है। आने वाले समय में जनता जवाब मांग सकती है।

अब तो कर लो खमतखामणा



24 न्यूज अपडेट

एक और बात आ रही है कि अभी तो पानी उतरने पर पता चलेगा कि विकास रहा या बह गया। जिम्मेदार अपनी गलती मानने को अब तक तैयार नहीं हो रहे हैं। रस्स जल-गई है मगर उसमें से बल नहीं गए हैं। तो उनके लिए साफ कह दें कि 'खमतखामणा' का मौका आ गया है। नदी से हाथ जोड़कर माफी मांगने का यही सही समय है। मन-वचन और काया से माफी मांगने का समय। नदी में पनपने वाले करोड़ों जीव जंतुओं से क्षमा मांगने का समय। आज खमतखामणा नहीं किया तो कल नदी मौका नहीं देने वाली है क्योंकि उसे सभ्यताओं को बसाने और उजाड़ने का न्याय करना आता है।



क्षमा वीरस्य भूषणं

आयड़ का प्रयोग सही तो सीसारमा भी ऐसी ही बना दो

24 न्यूज अपडेट

सोशल मीडिया पर बहस के दौरान यह प्वाइंट एक वरिष्ठ पत्रकार ने उठाया कि यदि आयड़ में किया गया प्रयोग सही है तो फिर सीसारमा नदी को भी इसी प्रकार का रिवर फ्रंट दे दिया जाए। अगला लक्ष्य सीसारमा नदी विकास कार्य होने चाहिए व उस पर कम से कम 100 करोड़ का खर्चा होना चाहिए ताकि जब सीसारमा चले, तभी से हमें हर साल टाइलें उखडने, घास बहने आदि के मनोरम नजारे देखने को मिल जाएं आयड़ में पानी आने तक का इंतजार नहीं करना पड़े। लोगों का कहना है कि रिवरफ्रंट का विकास मतलब उसके किनारों को सुंदर बनाते हुए जहां भी जगह हो, उसका सौंदर्यीकरण करना है। नदी के इको सिस्टम से छेड़छाड़ उसके साथ किया गया भीषण मजाक है। आयड़ नदी में की गई कारीगरी ने यहां के इंजीनियरों की भी खूब भद पिट रही है। लोग नाम पूछ रहे हैं कि आखिर किसका आइडिया था, किसने अप्रूव किया, किसने इस काम के लिए पैसा दिया व किसकी देखरेख में यह काम होता रहा। अब भी समय है, नदी को उसके हाल पर छोड़ कर उन इलाकों का विकास किया जाए तो आज भी मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे हैं नहीं तो इसी तरह से विकास की विनाशीलाल की जनता के पैसों की गंगा बहती रहेगी और जनता की सहनशीलता के खतरे के निशान तक पानी आ जाएगा। तब शायद बड़े बडे तर्क भी छोटे पड़ जाएंगे।



संपादकीय : जाति की जड़ें

जातिगत जनगणना के औचित्य पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सकारात्मक रुख से माना जा रहा है कि सरकार इस दिशा में गंभीरता से विचार कर सकती है। हालांकि विपक्षी दलों को इतने भर से संतोष नहीं है। वे चाहते हैं कि संघ और भाजपा इस पर अपना रुख स्पष्ट करें, केवल 'उपदेशात्मक' बात न करें। दरअसल, इस विषय पर फिर से चर्चा इसलिए छिड़ गई है कि केरल के पलक्कड़ में संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय स्वयंसेवक बैठक के अंतिम दिन उसके अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने प्रेस कांफ्रेन्स कर कहा कि जातिगत जनगणना का उपयोग राजनीतिक या चुनावी उद्देश्य के लिए नहीं किया जाना चाहिए इसका इस्तेमाल पिछड़ रहे समुदायों और जातियों के कल्याण के लिए होना चाहिए। अभी तक संघ और भाजपा इस मसले पर कुछ भी कहने से बचते आ रहे थे। जातिगत जनगणना का मुद्दा असल में, पिछले कुछ समय से कांग्रेस काफी जोर शोर से उठा रही है। कर्नाटक चुनाव से लेकर लोकसभा चुनाव तक में उसने इस पर जोर दिया। राहुल गांधी अपने हर भाषण में यह मुद्दा उठाते देखे जाते हैं। इसलिए कुछ लोगों का मानना है कि भाजपा और आरएसएस को लगने लगा है कि इस विषय में लंबे समय तक चुप्पी साधे रहना नुकसानदेह हो सकता है। इसीलिए वे अब जातिगत जनगणना को उचित बताने लगे हैं। आरक्षण का मुद्दा पिछले कुछ वर्षों में काफी संवेदनशील हो चुका है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि ज्यादातर दल इसका इस्तेमाल अपना जनाधार बढ़ाने, आरक्षण से वंचित जातियों को अपने पाले में खींचने के मकसद से ही करते रहे हैं । मगर संवैधानिक बाध्यताओं के चलते राज्य सरकारें पचास फीसद की सीमा पार नहीं कर पातीं। कुछ वर्ष पहले केंद्र सरकार ने भी आरक्षण का दायरा बढ़ा कर उसमें और जातियों को शामिल किया था। मगर तमाम प्रयोगों के बावजूद आरक्षण को लेकर बहुत सारे समुदायों और जातियों में असंतोष बना हुआ है। ऐसे में सिद्धांत रूप में यह उपाय निकाला गया कि जातिवार जनगणना होनी चाहिए और जिस जाति की जितनी संख्या हो उसी आधार पर आरक्षण तय किया जाए। इसके लिए संविधान संशोधन हो । सर्वोच्च न्यायालय ने भी पिछले दिनों व्यवस्था दी कि मलाईदार तबके को आरक्षण की व्यवस्था से बाहर रखा जाना चाहिए और जातियों के भीतर उपजातियों का भी वर्गीकरण होना चाहिए। मगर इस व्यवस्था के विरोध में बहुजन समाज पार्टी ने देशव्यापी आंदोलन कर दिया था। कोई भी राजनीतिक दल आरक्षण के प्रावधान का सैद्धांतिक रूप से विरोध नहीं कर सकता। अब जिस तरह कांग्रेस ने जातिगत जनगणना को बड़ा मुद्द बना दिया है, उसमें हर पार्टी को अपना जनाधार संभालने की चिंता पैदा हो गई है। इसलिए यह कहना कि इसका राजनीतिक इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, आदर्श वाक्य जैसा हो सकता है। मगर वास्तव में सभी दल इसके जरिए अपना राजनीतिक हित साधने के प्रयास कर रहे हैं। यह तो सही है कि वंचित समुदायों और जातियों को उनकी संख्या के आधार पर वरीयता देकर ही उनके कल्याण की उम्मीद बन सकती है। पर हमारे देश में जिस तरह की जातिगत जटिलताएं हैं उन्हें सुलझाना आसान काम नहीं है। अगर संघ और भाजपा सचमुच इसके पक्ष में हैं, तो उन्हें जातिगत जनगणना से जुड़ी गुत्थियों को सुलझाने के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे। इसमें दूसरे दलों से भी सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा होगी।

नाम के स्कूल

नियमित स्कूली शिक्षा व्यवस्था के समांतर चलने वाले कोचिंग केंद्रों में पढ़ाई आज एक ऐसा दुश्चक्र बन गया है कि इसमें कई बार नियम-कायदों का खयाल रखना जरूरी नहीं समझा जाता। इनमें दाखिला लेकर स्कूली कक्षाओं से आजादी की सुविधा मुहैया कराने वाले स्कूलों की वजह से भी आज समस्या खड़ी हो रही है। इसमें स्कूली शिक्षा व्यवस्था के नियम-कायदे ताक पर रखे जा रहे हैं। गौरतलब है कि इन्हें 'डमी स्कूल' कहा जाता है, जहां विद्यार्थी अपना नामांकन तो करा लेते हैं, मगर वहां कक्षाओं में शामिल होने या हाजिरी लगाने की जरूरत उन्हें नहीं होती। इसमें अनिवार्य उपस्थिति से लेकर अन्य शिक्षण संबंधी प्रमाण-पत्रों की व्यवस्था डमी स्कूल की ओर से करा दी जाती है। इसी समस्या पर काबू पाने के मकसद से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई ने मंगलवार को राजस्थान और दिल्ली के सत्ताईस 'डमी स्कूलों' का औचक निरीक्षण किया। खेर्ड ने इस मसले पर कहा कि सभी संबद्ध स्कूलों से इसके दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने की अपेक्षा की जाती है और इस निरीक्षण के बाद जिन स्कूलों को नियमों के अनुपालन में लापरवाही बरतने या जानबूझ कर अनदेखी करने के मामले पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऐसी शिकायतें पहले भी आई हैं कि अभिभावक अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों से निकाल कर 'डमी स्कूलों में दाखिला दिलवा देते हैं। दरअसल, अच्छे स्कूलों में छात्रों के लिए अस्सी फीसद हाजिरी का नियम लागू होता है, मगर कोचिंग में पढ़ाई करने वाले छात्र स्कूल नहीं जाना चाहते। वहीं 'डमी स्कूल' में दाखिला लेने के बाद उन्हें स्कूल जाने की जरूरत नहीं पड़ती और वे सिर्फ कोचिंग सेंटर में पढ़ाई करते हैं। इस तरह बच्चों का भविष्य बेहतर बनाने की कोशिश में अभिभावक अपने बच्चों को शुरुआती दौर में ही जाने-अनजाने भ्रष्टाचार में शामिल कर देते हैं। इस समस्या पर काबू पाने के लिए कोचिंग कक्षाओं और स्कूल के समय को लेकर भी दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, मगर यह समस्या बनी रही। स्कूली पाठ्यक्रम की अनदेखी करके सिर्फ किसी खास प्रतियोगिता परीक्षा के मद्देनजर कोचिंग की पढ़ाई के दूरगामी नतीजों के बारे में अंदाजा लगाया जा सकता है।

भारी बारिश के बाद बेणेश्वर धाम बना टापू:जिले के 10 बांधों पर चल रही पानी की चादर, सोम कमला आंबा बांध के 4 गेट खुले



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर.डूंगरपुर में 3 दिनों से रुक-रुक कर बारिश का दौर चल रहा है। जिले के छोटे बड़े बांध, तालाब छलकने लगे हैं। जिले के सबसे बड़े सोमकमला आंबा बांध के 4 गेट खोल दिए गए हैं। बांसवाड़ा के माही डेम के गेट खोलने के बाद बेणेश्वर धाम फिर से टापू बन गया है। जिले के 10 बांधों पर पानी की चादर चल रही है।

डूंगरपुर जिले में मंगलवार रात भर रुक-रुक कर हल्की और रिमझिम बरसात का दौर चलता रहा। बुधवार सुबह के समय आसमान में बादल छाए रहे और हल्की रिमझिम बारिश हुई। वहीं बरसात के चलते जिले के सबसे बड़े सोमकमला आंबा बांध के मंगलवार शाम के समय 2 गेट खोले गए थे, लेकिन डेम में पानी की आवक बढ़ने की वजह से देर रात को 2 गेट और खोल दिए गए हैं। डेम के अभी गेट संख्या 1, 2, 12 और 13 को आधा आधा इंच खोला गया है। चारों गेट से 15 हजार 940 क्यूसेक पानी की निकासी हो रही है। डेम में सोम कागदर देवसोमनाथ और गोमती नदी से 10 हजार 138 क्यूसेक पानी की आवक चल रही है। जिले के मारगिया, अमरपुरा, वात्रक, आकरसोल का नाका, भादर सहित 10 डेम पर पानी की चादर चल रही है।

सोमकमला बांध के साथ ही बांसवाड़ा के माही डेम के भी 4 गेट खुले होने से प्रसिद्ध आस्था के केंद्र बेणेश्वर धाम टापू बन गया है। साबला, वालाई और बांसवाड़ा के तीनों पुलिया पर 3 से 5 फीट तक पानी बह रहा है। इससे धाम टापू बन गया है। बांध पर पुजारी सहित कुछ व्यापारी फंसे हुए हैं, हालाकि उनके खाने पीने और ठहरने के तमाम इंतजाम धाम पर हैं। वहीं पुलिस और प्रशासन की ओर से धाम पर आने जाने वाले लोगों को अलर्ट किया जा रहा है।

कहां कितनी बारिश

जिले में बुधवार सुबह 8 बजे तक सर्वाधिक बारिश आसपुर में 2 इंच (52 एमएम) रिकॉर्ड की गई है। डूंगरपुर में 4 एमएम, देवल में 6 एमएम, फलोज में 6 एमएम, कनबा में 10 एमएम, सागवाड़ा और ओबरी में 3 एमएम, गलियाकोट में 4 एमएम, चिखली में 8 एमएम, गणेशपुर में 33 एमएम, बनकोड़ा में 2 एमएम, साबला में 2 एमएम, निठाउवा में 15 एमएम, गामड़ी अहाडा में 8 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है।

महिला से धारदार हथियार की नोक पर गहने लूटे:चिल्लाने पर मारने की दी धमकी, खमेरा में मुख्य मार्ग की घटना



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. खमेरा पुलिस थाने से महज 300 मीटर की दूरी पर एक घर महिला से गहने और नकदी लूटने का मामला सामने आया है। दरअसल, घर में घुंसे बदमाशों ने महिला को उठाया। उसके गर्दन पर लोहे की धार वाली नुकीली चीज रखकर मोबाइल की गैलरी खुलवाकर फोटो देखे। जिसमें महिला ने जो गहने पहने हुए थे। वो निकालकर देने को कहा - खमेरा से गुजर रहे नेशनल हाईवे पर सड़क किनारे पर स्थित कोठारी कलेक्शन की दुकान के ऊपर बने मकान पर मंगलवार रात्रि करीब 1 बजे के पास ही निर्माणधीन दुकान की छत से तीन बदमाश मकान के दरवाजे का लॉक तोड़ अंदर घुंसे ओर कमरे में सो रही महिला को जगाकर उसके मोबाइल की गैलरी खोलकर फोटो देखे ओर फोटो में जो ज्वेलरी पहनी हुई थी। उसे निकालकर देने का कहा। महिला चिल्लाए नहीं उसके लिए उसे डराया।

चोर करीब सवा घंटे तक घर में रहे महिला ने 5 तोला सोने के ज्वेलरी आधा किलो चांदी ओर ढाई लाख रुपए चोरों को निकाल कर दिए। इसके बाद चोरों ने महिला को धमकी दी की अगर हमारे जाने के 20 मिनट बाद ही घर से निकलना उसके पहले निकली तो तुझे मार देंगे। इसी डर के कारण महिला डरी सहमी रही और उसकी हिम्मत नहीं बनी। आखिर चोरों के घर से बाहर जाने के बाद करीब दस मिनट बाद वह बाहर निकली और चिल्लाई। आस-पास घर वालों को सूचना दी। सूचना के बाद लोग एकत्रित हो गए। फिर उसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस पहुंची मौके पर पहुंची। महिला के पति की 5 वर्ष पूर्व ही मृत्यु हुई है। उनके इलाज में महिला के पास जो गहने थे। वह बेच कर इलाज करवा दिया था। उसके पास जो सोना चांदी था। वह भी चोर ले गए। महिला के कोई बच्चे नही हैं। रेडिमेड कपड़े की दुकान चलाकर गुजारा करती है।

जिले मे एक बार फिर मानसून मेहरबान

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 4 सितंबर। जिले मे पिछले 24 घण्टे से जिले मे एक बार फिर बारिश का दौर जारी है। आज बुधवार प्रातः 8 बजे तक जिले मे सबसे ज्यादा वर्षा बडीसादड़ी मे 73 एमएम एवं सबसे कम कपासन मे 5 एमएम बारिश दर्ज की गई।

कलक्ट्रेट कंट्रोल रूम के अनुसार जिले में आज बुधवार को प्रातः 8 बजे तक चित्तौड़गढ़ में 53 एमएम, बस्सी 24, गंगरार 33, राशमी 18, कपासन 5, बेगूं 41, निंबाहेड़ा 54, भदेसर 68, डूंगला 53, बड़ीसादड़ी 73 एवं भोपालसागर मे 7 एमएम वर्षा दर्ज की गई है।

जिले में एक जून से 4 सितम्बर तक वर्षा की स्थिति

जिले मे एक जून से 4 सितंबर बुधवार प्रातः 8 बजे तक सबसे ज्यादा बारिश भैंसरोडगढ़ में 873 एमएम व सबसे कम गंगरार मे 578 एमएम दर्ज की गई।

कंट्रोल रूम के अनुसार जिले में 4 सितंबर बुधवार को प्रातः 8 बजे तक चित्तौड़गढ़ में 699, बस्सी 644, गंगरार 578, राशमी 802, कपासन 701, बेगूं 758, निंबाहेड़ा 785, भदेसर 713, डूंगला 702, बड़ीसादड़ी 602, भैसरोडगढ़ 873 एवं भोपालसागर मे 790 एमएम वर्षा दर्ज की गई है।

गंभीरी बांध हुआ फूल,चादर चलना भी आरम्भ



24 न्यूज अपडेट

निंबाहेड़ा गंभीरी बांध हुआ लबालब चित्तौड़गढ़ जिले का सबसे बडा गंभीरी बांध बुधवार सुबह 7 बजे के करीब पूरा 24 फीट भर गया। शाम 6:00 बजे के करीब बांध में 24 फीट के करीब पहुंच चुका है पानी । पिछले 2 दिनों से मध्यप्रदेश के मोरवन बांध के आसपास हो रही लगातार बारिश के कारण और निंबाहेड़ा शहर में भी लगातार 2 दिन से हो रही बारिश से भी गंभीरी बांध में 2 दिन के भीतर ही करीब ढाई फीट पानी की आवक हुई है। गंभीरी बांध में सबसे ज्यादा पानी की आवक मोरवन बांध की रपट का पानी है।

सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता राधेश्याम जाट ने बताया कि बांध के अपनी भराव क्षमता पूर्ण करने के साथ ही आज सुबह से थोड़ी चादर चलना भी आरम्भ हो गई है।कभी भी खुल सकता है गेट उसकी अपील की जा रही है पानी का आवाक चालु रहने पर कभी भी भराव क्षमता से अधिक होने पर गेट खोले जा सकते हैं।

मारपीट करने वाले 2 बदमाश गिरफ्तार:शराब के लिए मांग रहे थे रुपए, नहीं देने पर युवक को पीटा



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर कोतवाली थाना पुलिस ने 2 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। बदमाशों ने शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर मारपीट की वारदात को अंजाम दिया था। फिलहाल पुलिस दोनों ही आरोपियों से पूछताछ कर रही है। कोतवाली थानाधिकारी भगवानलाल ने बताया कि रेखा पत्नी सूर्यप्रकाश रोत निवासी भंडारिया फला उपला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसमें बताया कि 22 जुलाई की शाम के समय उसके पति सूर्यप्रकाश रोत मजदूरी कर वापस घर आ रहे थे। रास्ते में जोगेला तालाब के पास 2 बदमाशों ने उसे रोक दिया। बदमाशों ने उसे शराब पीने के लिए पैसे मांगे। पैसे नहीं देने पर बदमाशों ने उसके पति के साथ मारपीट की। जिससे उन्हें चोट आई। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में छानबीन करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी दुर्जन उर्फ अर्जुन (30) पुत्र कानजी रोत निवासी भंडारिया और सुरेश उर्फ टकला (22) पुत्र जयंतीलाल रोत निवासी भंडारिया को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया है।

बीएन शिक्षा संकाय में शिक्षक दिवस का आयोजन

एक सफल शिक्षक वही जो सदैव सीखने के लिए तत्पर रहेः प्रो सारंगदेवोत



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 4सितम्बर : शिक्षा संकाय, भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के तत्वाधान में प्रायोजित नौ दिवसीय विद्यार्थी अभिमुखीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए अधिष्ठाता - शिक्षा संकाय, प्रो शशि चित्तौड़ा ने बताया कि शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण के साथ सरस्वती वन्दना तथा संस्था गीत से हुआ। कार्यकम में कर्नल प्रो शिव सिंह सारंगदेवोत, कार्यवाहक अध्यक्ष, विद्या प्रचारिणी सभा, डॉ महेन्द्र सिंह राठौड़, सचिव,विप्रस, मोहब्बत सिंह राठौड़, प्रबन्ध निदेशक, राजेन्द्र सिंह झाला, संयुक्त सचिव, विप्रस, डॉ निरंजन नारायण सिंह राठौड़, कुलसचिव, भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय तथा डॉ प्रेम सिंह रावलोत, डीन पीजी स्टडीज अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्वागत उद्बोधन प्रो चित्तौड़ा द्वारा दिया गया, तत्पश्चात शिक्षक दिवस के उपलक्ष में शिक्षा संकाय में कार्यरत सभी शिक्षकों का सम्मान किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो सारंगदेवोत ने सभी का आह्वान किया कि हमें एक शिक्षक के रूप में सीखने और अवलोकन के लिए सदैव जिज्ञासु रहना चाहिए। एक सफल शिक्षक वही होता है जो सदैव सीखने के लिए तत्पर रहे।

कार्यक्रम में शिक्षा संकाय के विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में पधारे हुए सभी सम्मानित अतिथियों ने विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करने करने वाले व्याख्यान देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सभी को लाभान्वित किया। संचालन छात्राध्यापिकाओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ सीमा शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया गया। शिक्षक दिवस के कार्यक्रम में डॉ सीमा शर्मा, डॉ नन्द किशोर शर्मा, डॉ अजयपाल सिंह चुंडावत, डॉ खुशबू कुमावत, डॉ विमल सारस्वत, डॉ कीर्ति चुंडावत, डॉ मनीषा शेखावत, डॉ चंद्ररेखा शर्मा, डॉ उर्मिला पुरोहित, डॉ कामिनी गौड़, जयपाल सिंह झाला सहित सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे। ये जानकारी पीआरओ डॉ कमल सिंह राठौड़ ने दी।

नाथद्वारा में निःशुल्क आयुर्वेदिक परामर्श शिविर का आयोजन

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। नाथद्वारा नगरपालिका क्षेत्र में आरोग्य समिति राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय, नाथद्वारा और तत्व फार्मा, बैंगलोर के माध्यम से चिकित्सालय परिसर गांधी रोड, नाथद्वारा में निःशुल्क शुगर (मधुमेह), बी.पी. रोग, त्वक एवं वात रोग तथा पंचकर्म सम्बन्धी आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजन किया गया। शिविर प्रभारी डॉ. राजेन्द्र कुमार जांगिड़ ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ कमल भाटिया व श्री श्री तत्व फार्मा प्रतिनिधि क्रनवीन बंसल एवं पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. हरीश गहलोत द्वारा भगवान धन्वन्तरी को दीप प्रज्जवलित करके किया गया।

डॉ. दिव्य प्रकाश स्वर्णकार व डॉ. गीतांजली के द्वारा 77 मरीजों की निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श देकर उपचार व निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया। शिविर में 32 मधुमेह मरीजों की ब्लड शुगर व बी.पी की निःशुल्क जांच की गयी। शिविर प्रभारी डॉ. राजेन्द्र कुमार जांगिड़ के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मधुमेह, बी.पी. अस्वस्थ जीवन शैली सें संबंधित होने वाले रोग है। उचित स्वस्थ जीवन शैली व संतुलित आहार-विहार, योग प्राणायाम आसन आदि के द्वारा इन रोग को ठीक किया जा सकता है। कमर दर्द में 4 कटि बस्ती, गर्दन दर्द में 4 ग्रीवा बस्ती घुटनों के दर्द में 7 जानु धारा व एडी दर्द में 3 मरीजों का अग्निकर्म एवं 2 मरीजो का स्वेदन-स्नेहन कर्म करवाया गया। शिविर प्रभारी द्वारा बताया गया कि सायटिका, कमर दर्द, घुटने का दर्द व वेरीकोज वेन में रक्तमोक्षण कर्म व एडी के दर्द का उपचार अग्निकर्म द्वारा करने पर रोग की पुनरावृत्ति नहीं होती है। शिविर में ब्लॉक आयुर्वेद अधिकारी डॉ ललित सैनी, योगा प्रशिक्षक प्रवीण सनाढय, नर्सिग स्टॉफ छैल कंवर, जशोदा,दीपक, कंचन, अन्नू सिंह, पंकज, जितेन्द, महेश व चन्दा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

माही बजाज सागर बांध 280.40 मीटर भराः6.62 लाख लीटर हर सेकेंड छोड़ रहे, एमपी से भी प्रति सेकंड 8.48 लाख लीटर आवक



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा जिले और मध्यप्रदेश में अच्छी बारिश के कारण माही बांध लबालब हो गया है।

मंगलवार शाम 4:26 बजे बांध के 4 गेट, शाम 7:30 बजे 2 और रात साढ़े 9 बजे और दो गेट खोले गए। इसमें 4 गेट 1.5-1.5 और 4 गेट 1-1 मीटर तक खोले हैं। अभी डेम में 8.48 लाख लीटर पानी हर सेकेंड आ रहा है। इसकी तुलना में 6.64 लाख लीटर पानी छोड़ा जा रहा है। 8 गेट अभी आधा-आधा मीटर खुले हैं।

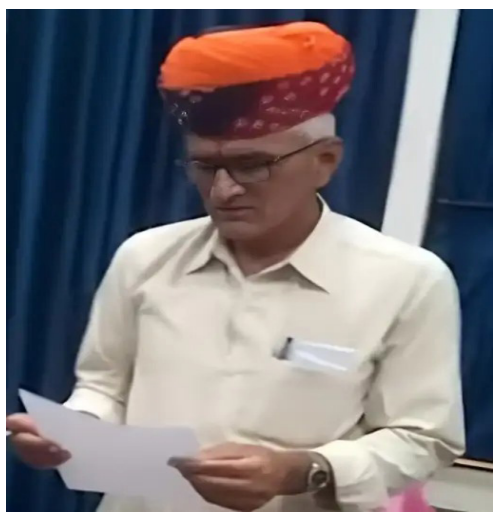
एईएन पीयूष पाटीदार ने बताया कि बांध का जलस्तर 280.45 आरएल मीटर तक पहुंच चुका है। एक्सईएन प्रकाश चंद्र रैगर ने बताया कि इसकी भराव क्षमता 281.50 आरएल मीटर है।

माही बांध का पानी माही नदी से गुजरात जाता है। इस पानी को राजस्थान में रोककर प्रदेश के ऐसे भागों में भेजा जा सकता है। जहां पेयजल व सिंचाई के लिए पानी नहीं है। इतना पानी व्यर्थ छोड़ा जा रहा है। जिससे पूरे राजस्थान का सूखा खत्म हो सकता है। एक तरफ सरकार पश्चिमी राजस्थान में समुद्र से पीने का पानी लाने की योजना बना रही है। दूसरी ओर, राज्य का पानी बहकर समुद्र में जा रहा है।

राज्य सरकार माही बांध का पानी 10 जिलों को देने का भी प्लान बना रही है। लेकिन यह देखना गोपीराम अग्रवाल, अध्यक्ष, राजस्थान ट्राइबल एरिया विकास समिति माही बांध वर्ष 1982 से लेकर 2020 तक 40 वर्षों में सिर्फ 12 बार पूरा भरा है। 9 वर्षों में 100-100 टीएमसी से अधिक पानी आया। बांध निर्माण से लेकर अब तक साल 2006 में सबसे ज्यादा 198.4156 टीएमसी पानी छोड़ा गया।

अनुबंध के अनुसार गुजरात को 40 टीएमसी से कई गुना ज्यादा पानी मिल रहा है। अगर इसे रोक लिया जाए और कैनाल बनाकर उपयोग में लिया जाए तो अकेले बांसवाड़ा जिले में नॉन कमांड की 2.40 लाख हैक्टेयर जमीन में सिंचाई हो सकती है।

रामूराम राईका कहता-कई लोगों को इंटरव्यू में बनाया हैःभाषण में दूसरों को मेहनत का उपदेश देने वाले ने बेटे-बेटी के लिए कराया पेपर लीक



24न्यूज अपडेट

जयपुर. 'परिवार में वातावरण ऐसा होना चाहिए कि बच्चे-बच्चियां पढ़ सकें। बिना पुण्य के मेहनत नहीं हो सकती। यदि आपके परिवार का पुण्य है तो ही आप पढ़ाई कर सकते हो।'

'मेरे दादाजी बड़े भक्त थे, वो बहुत भक्ति करते थे। वो भक्ति यहां काम आ रही है, अब मेरी भक्ति आगे काम आएगी।'

ये बयान है एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में गिरफ्तार राजस्थान लोक सेवा आयोग(RPSC) के पूर्व सदस्य रामू राम राईका का। राईका सार्वजनिक मंचों पर लोगों को प्रभावित करने के लिए ऐसे ही उपदेश देता था।

राईका ने आरपीएससी मेंबर बाबूलाल कटारा से पेपर लेकर अपने बेटे देवेश और बेटी शोभा को दिया था। एसआई भर्ती परीक्षा के परिणाम के समय भी राईका के बेटे-बेटी के सिलेक्शन पर सवाल उठे थे। उस समय राईका ने कहा था कि मैंने खुद को इस प्रक्रिया से दूर रखा था।

राईका के कुछ बयान

5 जुलाई 2018: आरपीएससी सदस्य का पद ग्रहण करते समय मुख्यमंत्री ने जो भी यहां वैकेंसी निकाली है, उनको सही तरीके से जल्दी से जल्दी पूरा करवाएंगे। मुख्यमंत्री जो नयापन लाएंगी, जो भी कहेंगी इंप्लिमेंट करूंगा।

25 मई 2022: देवासी समाज कर्मचारी मिलन समारोह, जोधपुर मैं साल 2012 में राजस्थान प्रशासनिक सेवा(आरएएस) की कॉपियां जांच रहा था। आरपीएससी का एक बाबू था। वो टीए-डीए भरवा रहा था। मैंने कहा ध्यान से देना। मैं आ रहा हूं आरपीएससी मेंबर बनकर। साल 2012 में कहा, 2018 में मेंबर बना। वहां गया तो वो बोला- आप बन गए मेंबर? मैंने कहा, मैं जो कहता हूं, हो जाता है।

मैंने समाज के कई लोगों को इंटरव्यू में बनाया है

एजुकेशन अपने परिवार से शुरू होना चाहिए, परिवार में वातावरण ऐसा होना चाहिए कि बच्चे-बच्चियां पढ़ सकें। बिना पुण्य के मेहनत नहीं हो सकती, यदि आपके परिवार का पुण्य है, तो ही आप पढ़ाई कर सकते हो। मैंने समाज के कई लोगों को इंटरव्यू में बनाया है। लड़के-लड़कियों को पढ़ाने पर जोर दें।

पुलिस भर्ती में महिलाओं को मिलेगा 33% आरक्षणःकर्मचारी की मौत पर रिश्तेदार को मिल सकेगी पेंशन, कैबिनेट बैठक में SI परीक्षा पर नहीं हुआ फैसला



24 न्यूज अपडेट

भजनलाल सरकार की कैबिनेट बैठक में बुधवार को बड़े फैसले लिए गए। महिलाओं को पुलिस विभाग की भर्ती में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। इसके लिए कैबिनेट ने राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम 1989 में संशोधन किया है।

अब विशेष योग्यजन सरकारी कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके आश्रितों में उसके करीबी रिश्तेदार भी शामिल हो सकेंगे। कर्मचारी के माता-पिता, भाई और बहन में से किसी को भी पेंशन मिल सकेगी।

राजस्थान लैंग्वेज एंड लाइब्रेरी और राजस्थान एक्साइज लैबोरेटरी विभाग में होने वाली भर्तियों में भी अब उत्कृष्ट खिलाड़ियों को 2 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। सरकार ने 21 नवंबर 2019 को नोटिफिकेशन जारी करके खिलाड़ियों की परिभाषा स्पष्ट की थी। लेकिन, उस समय ये दो विभाग रह गए थे। ऐसे में इन विभागों में भी उत्कृष्ट खिलाड़ियों को आरक्षण मिलेगा। कैबिनेट बैठक में अलग-अलग 10 एजेंडों पर चर्चा हुई।

SI भर्ती परीक्षा रद्द करने पर नहीं हुआ कैबिनेट में फैसला

सब इंस्पेक्टर (SI) भर्ती परीक्षा-2021 को रद्द करने पर कैबिनेट में कोई फैसला नहीं हुआ। SI भर्ती रद्द करने के सवाल पर कानून और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- अनेक ऐसे बच्चे होंगे, जिन्होंने पढ़ाई करने के बाद अपनी मेहनत से परीक्षा में सफलता पाई है। अगर भर्ती निरस्त होती है तो उन पर भी फर्क पड़ता है, इसलिए सरकार पूरा विचार करने के बाद ही फैसला करेगी।

पटेल ने कहा- यह बहुत गंभीर विषय है। जब बाड़ खेत को खा जाती है तो उस खेत का रखवाला कौन होगा। जिस तरह के बयान बाबूलाल कटारा के आए हैं कि मैंने ही यह पेपर RPSC के पूर्व सदस्य रामू राम राईका को दिया था। जब इतनी गंभीर स्थिति होती है। मुख्यमंत्री ने कहा था कि अभी तो छोटी-छोटी मछलियां पकड़ी जा रही हैं। बड़े-बड़े मगरमच्छ भी बाहर आएंगे। अब बड़े-बड़े मगरमच्छ बाहर आ रहे हैं।

भाई ने भाई को चाकू मारा:आपसी विवाद में पेट में चाकू से वार कर लहूलुहान किया, गंभीर हालत में उदयपुर रेफर

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद में कांकरोली पुलिस थाना सर्कल में बड़लिया गांव में एक भाई ने दूसरे भाई को चाकू से वार कर घायल कर दिया। घायल को आरके हॉस्पीटल रेफर किया गया। जहां घायल की हालत गंभीर होने पर इलाज के लिए उदयपुर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार बड़लिया गांव में आपसी विवाद के चलते दो भाइयों में झगड़ा इतना बढ़ गया कि एक भाई ने दूसरे भाई के पेट में चाकू घोंप दिया। पुलिस के अनुसार गांव में कैलाश उर्फ भीम राज कुमावत और गणेश कुमावत के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। इस दौरान भीम राज ने गुस्से में आकर



गणेश के पेट में चाकू से हमला कर दिया। गणेश लाल के पेट में बाईं ओर घाव हो गया व खून बहने लगा। वह गिर गया। रामचंद्र व महेन्द्र कार लेकर वहां पहुंचे और आरके हॉस्पीटल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उसे हालात गंभीर होने पर उदयपुर रेफर कर दिया। पुलिस ने घायल गणेश लाल के पिता मांगी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

उदयपुर-अहमदाबाद हाइवे पर भरा पानी, 6 घंटे बाद खुला जाम:सबसे ज्यादा ऋषभदेव में आठ इंच, मोरवानिया में पुल टूटा, झाड़ोल में एनीकट बहा, दूधिया बचा, बाइक बही, छलकने वाला है बड़ी



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। उदयपुर जिले में बारिश का दौर लगातार चल रहा है। कल रात को शुरू हुई रिमझिम व मूसलाधार बारिश आज सुबह जारी रही जिससे बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हुई। बारिश से कई रास्तों पर पानी भर गया है व जाम लग रहा है। बाढ नियंत्रण कक्ष की ओर से जारी किए गए आज सुबह 8 बजे तक की बारिश के आंकडों के अनुसार जिले में सर्वाधिक बारिश ऋषभदेव में 202 एमएम हुई है। यह अब तक का सबसे बडा रिकॉर्ड है। बांधों की बात करें तो उदयपुर में फतहसागर झील में पानी की आवक लगातार जारी है तो स्वरूपसागर और उदयसागर के गेट खुले हुए है। फतहसागर का गेट कभी भी खुल सकता है। उदयपुर शहर के आस पास के हाईवे पर कई जगह झरने चल रहे हैं तो कुछ जगहो ंपर पानी के तेज बहाव से पहाड़ी क्षेत्र से पत्थर और मलबा सड़क पर गिर रहा है। उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे 48 पर आज सुबह से पानी भरने से लगे जाम के वीडियो व तस्वीरें वायरल हो रही है। परसाद के पीपली-ए में आज सुबह करीब 7 बजे से जाम लगा है। हाइवे पर तीन तीन फीट पानी बताया जा रहा है। जाम से लोग परेशान हो गए हैं। उदयपुर में स्वरूपसागर के चार गेट खुले हुए है जिसका पानी आयड़ की विकास की गंगा को बहाते हुए उदयसागर पहुंच रहा है। उदयसागर के दो गेट खोल रखे है जिसका पानी वल्लभनगर बांध में जा रहा है। बारिश के बाद कैचमेंट एरिया में पहाड़ों से बह रहा है पानी, नदी-नादिया उफान पर है। उदयपुर की आयड़ नदी में तेज वेग से जलराशि उदयसागर जा रही है। जल संसाधन विभाग के अनुसार आज सुबह आठ बजे तक बीते 24 घंटे में उदयपुर जिले में सर्वाधिक बारिश ऋषभदेव में करीब 8 इंच हुई है। इसके अलावा जिले में बड़गांव तहसील मुख्यालय पर 4, वल्लभनगर, भींडर, बारापाल और गोगुंदा में 3-3 इंच, कुराबड़ और झाड़ोल में ढाई-ढाई इंच बारिश दर्ज की गई है। बताया गया कि झाड़ोल में मानसी नदी में तेज बहाव है। इससे मार्ग बाधित हो गया है। पिछले दिनों ग्राम पंचायत सुल्तान जी का खेरवाड़ा ने एनीकट बनाया जो रात को तेज बारिश में बह गया।

गंभीरी बांध कभी भी छलक सकता है

चित्तौड़गढ़ जिले का सबसे बड़ा गम्भीरी बांध हुआ फुल, कुल भराव क्षमता 23 फीट के आंकड़े के किया पार, सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता राधेश्याम जाट ने बताया कि बांध के अपनी भराव क्षमता पूर्ण करने के साथ ही आज सुबह से थोड़ी चादर चलना भी आरम्भ हो गई है।

भाजपा के 9 महीने के कार्यकाल को बताया फ्लॉप:डोटासरा ने कहा- ब्यूरोक्रेसी काम नहीं कर रही, जनता के नहीं हो रहे काम



24 न्यूज अपडेट

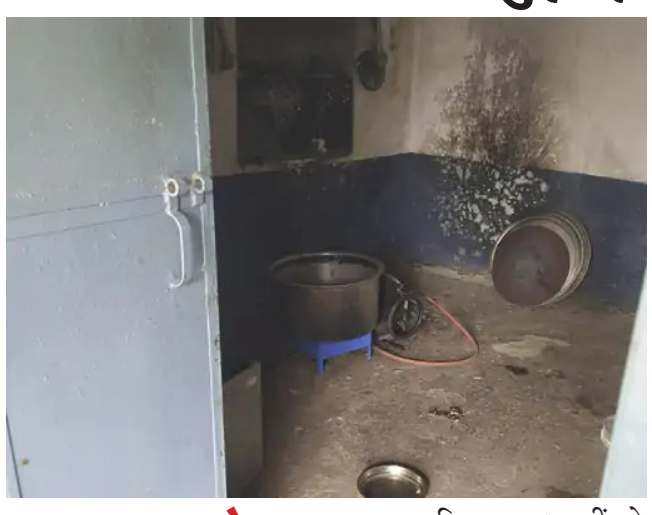
डूंगरपुर. पीसीसी चीफ डूंगरपुर जिले के दो दिवसीय दौरे पर रहे। दौरे के दूसरे दिन पीसीसी चीफ गोविंद सिंह ने उपचुनाव को लेकर कांग्रेस की तैयारियों की जानकारी देने के साथ भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। डोटासरा ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए 9 महीने के कार्यकाल को फ्लॉप बताया। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि उपचुनाव में कांग्रेस प्रदेश की सभी 6 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। गठबंधन का फैसला कांग्रेस हाईकमान करेगा और उनकी ओर से जो फैसला होगा वही मान्य होगा।

डोटासरा ने कहा कि उपचुनाव को लेकर संबंधित जिलों में जाकर कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में कांग्रेस सभी 6 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। उन्होंने ये भी कहा कि गठबंधन का फैसला आलाकमान करेगा। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा सरकार के 9 महीने के कार्यकाल को फ्लॉप बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ब्यूरोक्रेसी काम नहीं कर रही, जनता के काम नहीं हो रहे हैं। विधायकों को कोई पूछ नहीं रहा है। अपराध और महंगाई कम नहीं हो रही है। अतिवृष्टि से फसलें खराब हो रही हैं, लेकिन पूछने वाला कोई नहीं है। भाजपा ने जनता को भ्रमित कर सरकार तो बना ली, लेकिन अब जनता अपने आप को ठगा सा महसूस कर रही है।

पेपर लीक मामले पर बोले डोटासरा पीसीसी चीफ डोटासरा ने पेपर लीक मामले पर कहा कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। ऐसे लोगों पर सख्ती से कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पेपर लीक माफियाओं को जड़ से खत्म करने के लिए भाजपा सरकार को सख्त कदम उठाना चाहिए। वहीं कांग्रेस पार्टी ऐसे कदम के साथ रहेगी। इस मौके पर डोटासरा ने पेपर लीक का गढ़ बन चुके आरपीएससी के पुनर्गठन की भी बात कही है।

शिक्षा महकमे पर भी साधा निशाना डोटासरा ने प्रदेश में शिक्षा महकमे को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा मंत्री को शिक्षा से कोई लेना देना नहीं है। भाजपा सरकार में सरकारी स्कूलों में ढाई लाख नामांकन कम हुए हैं। किसी वर्ग में डीपीसी नहीं हो रही है। नई शिक्षक भर्ती को लेकर बात नहीं हो रही है। उन्होंने साइकिलों के रंग बदलने पर कहा कि रंग बदलने से क्या होगा, रंग बदलने से अच्छा तो कुछ नवाचार करना चाहिए था।

स्कूल में पोषाहार बनाते समय भभका सिलेंडर क्लास में पढ़ रहे बच्चे डरे, पेट्रोल पंप से फायर किट लेकर बुझाई आग



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. सलूंबर के सेमारी के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल श्यामपुरा में बुधवार सुबह सिलेंडर में अचानक आग लग गई। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। नहीं तो बड़ा हादसा हो जाता। स्कूल में सैकड़ों बच्चे पढ़ रहे थे। घटना स्कूली बच्चों के लिए पोषाहार बनाते समय हुई। जब अचानक गैस नली में आग पकड़ी और अचानक सिलेंडर भभक गया। धीरे-धीरे आग तेज होने लगी। इस बीच एक स्कूली छात्र दौड़कर पहुंचा और उसने सिलेंडर से रेगुलेटर को अलग कर दिया। टीचर पास ही के पेट्रोल पंप से अग्निशमन किट लेकर पहुंचे और आग पर काबू पाया गया। क्लास में पढ़ रहे थे बच्चे घटना के दौरान स्कूल क्लास में पढ़ रहे बच्चे बाहर गए और दहशत का माहौल हो गया। सूचना पर सेमारी तहसीलदार डूंगरलाल प्रजापत और सेमारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। अफसरों ने घटना की जानकारी ली।

भारत दर्शन यात्रा ट्रेन कराएगी दक्षिण के मंदिरों के दर्शन:तिरुपति, रामेश्वरम, मीनाक्षी मंदिर, मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग सहित कन्याकुमारी घूमने का मौका मिलेगा



24 न्यूज अपडेट

भारतीय रेलवे के उपक्रम इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (IRCTC) श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष पैकेज लाया है। टूरिज्म कॉरपोरेशन श्रद्धालुओं को दक्षिण भारत के मंदिरों के दर्शन कराएगा। 14 अक्टूबर को जयपुर से रवाना हो रही स्पेशल ट्रेन मेवाड़ के जिलों से श्रद्धालुओं को लेती हुई दक्षिण भारत के मंदिरों के दर्शन करवाएगी। लोगों की मांग को देखते हुए रेलवे ने इस यात्रा के लिए दक्षिण भारत दर्शन यात्रा ट्रेन चलाने का फैसला किया है। 12 दिनों की यात्रा में तिरुपति बालाजी, रामेश्वरम, मदुरई, कन्याकुमारी और मल्लिकार्जुन मंदिरों के दर्शन का मौका मिलेगा।

मेवाड़ होकर जाएगी भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन

आईआरसीटीसी के संयुक्त महाप्रबंधक/पर्यटन योगेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि श्रद्धालुओं की डिमांड के बाद दक्षिण भारत दर्शन यात्रा ट्रेन का संचालन होने जा रहा है। इसके लिए विशेष पैकेज रखा गया है। मेवाड़ वासियों के लिए खुशखबरी है कि यह ट्रेन मेवाड़ के तीन जिलों से होती हुई जाएगी।

दो केटेगरी में बांटा गया

भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन में वातानुकूलित थर्ड एसी कोच, आधुनिक किचन-कार से सुसज्जित होगी। यात्रा को दो श्रेणियों स्टैंडर्ड केटेगरी और कंफर्ट केटेगरी में बांटा गया है। स्टैण्डर्ड केटेगरी का मूल्य 34 हजार 890 रुपए रखा गया है। इस केटेगरी में एसी ट्रेन, नॉन-एसी ठहरने की व्यवस्था और नॉन-एसी बसों की व्यवस्था रहेगी। जबकि कंफर्ट केटेगरी का मूल्य 42 हजार 480 रुपए रखा गया है, जिसके अंतर्गत एसी ट्रेन के साथ एसी रूम्स और एसी बसों की सुविधा मिलेगी।

14 से 25 अक्टूबर तक रहेगी यात्रा

यह ट्रेन 14 अक्टूबर को जयपुर जंक्शन से रवाना होकर 16 अक्टूबर को तिरुपति बालाजी पहुंचेगी। जहां यात्रियों को तिरुपति बालाजी के दर्शन कराए जाएंगे। 16 और 17 अक्टूबर को तिरुपति में रात्रि विश्राम रहेगा। ट्रेन 18 अक्टूबर को तिरुपति से रवाना होकर 19 अक्टूबर को रामेश्वरम पहुंचेगी, जहां रामनाथ स्वामी मंदिर के दर्शन करवाए जाएंगे। रात्रि विश्राम रामेश्वरम में रहेगा। 20 अक्टूबर रामेश्वरम से मदुरई के लिए रवाना होगी और शाम को मदुरई में मीनाक्षी मंदिर के दर्शन करवाए जाएंगे। रात को ट्रेन कन्याकुमारी के लिए रवाना होगी। 21 अक्टूबर को सुबह ट्रेन कन्याकुमारी पहुंचेगी। जहां दिन में कन्याकुमारी भ्रमण करवाया जायेगा और रात को ट्रेन मल्लिकार्जुन के लिए रवाना होगी। उन्होंने बताया कि ट्रेन 23 अक्टूबर को मल्लिकार्जुन पहुंचेगी। जहां यात्रियों को मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन करवाए जाएंगे। दर्शन के बाद ट्रेन रात को रवाना होकर दर्शन के बाद वापसी वाया जयपुर जंक्शन, अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ के लिए रवाना होगी और 25 अक्टूबर को उदयपुर में पहुंचकर यात्रा खत्म होगी।

24 न्यूज अपडेट
देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल
ताजा खबरें देखने के लिए
हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें
YouTube
24 NEWS UPDATE
हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें
लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।